



# Kritvik

05 Apr 2025

08:15 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121818403

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : पुल्लिंग  
**05/04/2025** : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : **5-06/04/2026**  
 शनिवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : रवि-सोमवार  
 घंटे 20:15:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 02:29:24 घंटे  
 घटी 35:20:22 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 50:55:41 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Delhi : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Delhi  
 उत्तर 28:39:00 : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 28:39:00 उत्तर  
 पूर्व 77:13:00 : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 77:13:00 पूर्व  
 पूर्व 82:30:00 : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:21:08 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:21:08 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 06:06:51 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:07:07  
 18:40:42 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:41:07  
 24:12:36 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 24:13:32  
 तुला : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : मकर  
 शुक्र : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : शनि  
 मिथुन : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
 बुध : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : मंगल  
 पुनर्वसु : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : अनुराधा  
 गुरु : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : शनि  
 3 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 1  
 सुकर्मा : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : सिद्धि  
 बालव : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : बालव  
 हा-हरीश : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : ना-नन्दिता  
 मेष : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : मेष  
 शूद्र : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : विप्र  
 मानव : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : कीटक  
 मार्जार : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मृग  
 देव : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : देव  
 आद्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : मध्य  
 मेष : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : सर्प  
 1 : \_\_\_\_\_ गत/तत्कालिक वर्ष \_\_\_\_\_ : 2

## जन्म - विवरण

## वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
स्वाति	2	12:58:51	तुला			लग्न			मक	08:33:12	4	उत्तराषाढा
रेवती	2	21:51:16	मीन			सूर्य			मीन	21:51:16	2	रेवती
पुनर्वसु	3	28:15:49	मिथु			चंद्र			वृश्चि	04:30:44	1	अनुराधा
पुनर्वसु	4	00:57:42	कर्क			मंगल			अ मीन	02:42:04	4	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	4	02:46:21	मीन व			बुध			कुंभ	24:11:00	2	पू०भाद्रपद
रोहिणी	4	22:30:11	वृष			गुरु			मिथु	21:54:24	1	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	4	01:32:00	मीन व			शुक्र			मेष	13:24:37	1	भरणी
पू०भाद्रपद	4	00:49:45	मीन			शनि			अ मीन	11:55:37	3	उ०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	4	03:04:30	मीन			राहु व			कुंभ	14:05:54	3	शतभिषा
उ०फाल्गुनी	2	03:04:30	कन्या			केतु व			सिंह	14:05:54	1	पू०फाल्गुनी
कृतिका	2	00:45:48	वृष			मु			वृश्चि	12:58:51	3	अनुराधा

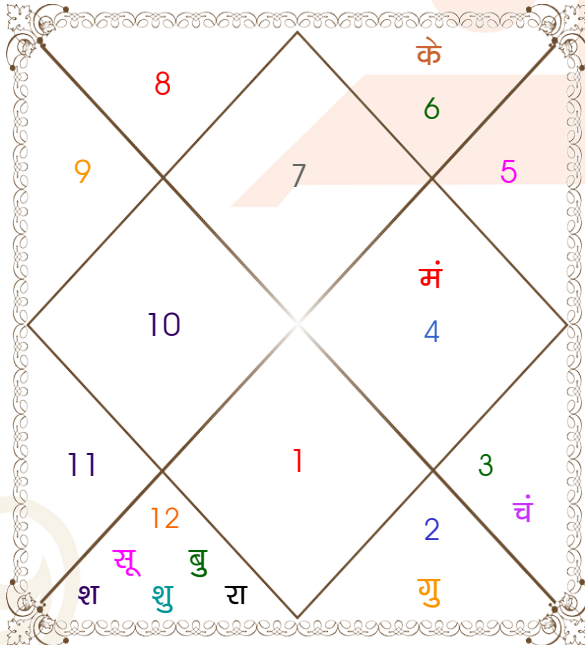
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

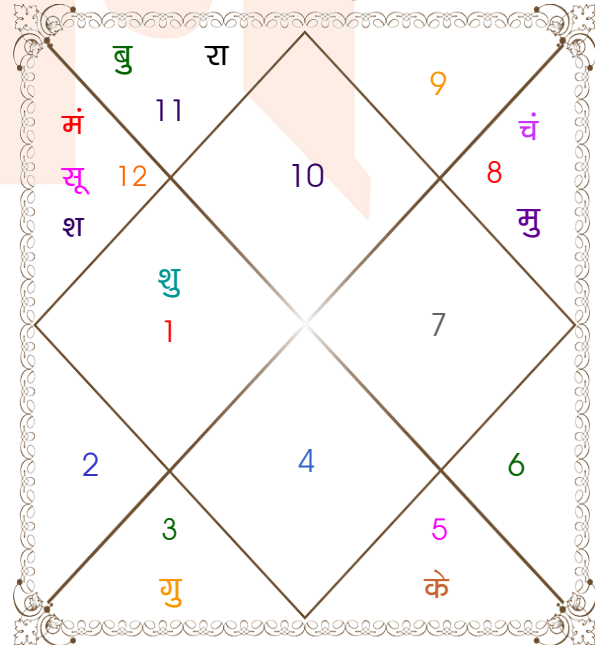
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

### लग्न-चलित



### वर्ष लग्न कुंडली



## विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - सूर्य - गुरु		गुरु - सूर्य - शनि		गुरु - सूर्य - बुध		गुरु - सूर्य - केतु	
24/02/2026 23:40		04/04/2026 22:42		21/05/2026 05:04		01/07/2026 14:32	
04/04/2026 22:42		21/05/2026 05:04		01/07/2026 14:32		18/07/2026 15:37	
गुरु	02/03/2026 04:20	शनि	12/04/2026 06:31	बुध	27/05/2026 01:48	केतु	02/07/2026 14:24
शनि	08/03/2026 08:23	बुध	18/04/2026 19:49	केतु	29/05/2026 11:45	शुक्र	05/07/2026 10:35
बुध	13/03/2026 20:51	केतु	21/04/2026 12:35	शुक्र	05/06/2026 09:20	सूर्य	06/07/2026 07:02
केतु	16/03/2026 03:23	शुक्र	29/04/2026 05:38	सूर्य	07/06/2026 11:01	चंद्र	07/07/2026 17:08
शुक्र	22/03/2026 15:14	सूर्य	01/05/2026 13:10	चंद्र	10/06/2026 21:48	मंगल	08/07/2026 16:59
सूर्य	24/03/2026 13:59	चंद्र	05/05/2026 09:41	मंगल	13/06/2026 07:45	राहु	11/07/2026 06:21
चंद्र	27/03/2026 19:54	मंगल	08/05/2026 02:28	राहु	19/06/2026 12:47	गुरु	13/07/2026 12:54
मंगल	30/03/2026 02:27	राहु	15/05/2026 01:01	गुरु	25/06/2026 01:14	शनि	16/07/2026 05:40
राहु	04/04/2026 22:42	गुरु	21/05/2026 05:04	शनि	01/07/2026 14:32	बुध	18/07/2026 15:37
गुरु - सूर्य - शुक्र		गुरु - चंद्र - चंद्र		गुरु - चंद्र - मंगल		गुरु - चंद्र - राहु	
18/07/2026 15:37		05/09/2026 08:25		15/10/2026 22:25		13/11/2026 08:13	
05/09/2026 08:25		15/10/2026 22:25		13/11/2026 08:13		25/01/2027 09:25	
शुक्र	26/07/2026 18:25	चंद्र	08/09/2026 17:35	मंगल	17/10/2026 14:12	राहु	24/11/2026 07:12
सूर्य	29/07/2026 04:52	मंगल	11/09/2026 02:24	राहु	21/10/2026 20:28	गुरु	04/12/2026 00:58
चंद्र	02/08/2026 06:16	राहु	17/09/2026 04:30	गुरु	25/10/2026 15:22	शनि	15/12/2026 14:33
मंगल	05/08/2026 02:26	गुरु	22/09/2026 14:22	शनि	30/10/2026 03:19	बुध	25/12/2026 22:55
राहु	12/08/2026 09:46	शनि	29/09/2026 00:35	बुध	03/11/2026 03:55	केतु	30/12/2026 05:11
गुरु	18/08/2026 21:36	बुध	04/10/2026 18:34	केतु	04/11/2026 19:41	शुक्र	11/01/2027 09:23
शनि	26/08/2026 14:40	केतु	07/10/2026 03:23	शुक्र	09/11/2026 13:19	सूर्य	15/01/2027 01:03
बुध	02/09/2026 12:14	शुक्र	13/10/2026 21:43	सूर्य	10/11/2026 23:24	चंद्र	21/01/2027 03:09
केतु	05/09/2026 08:25	सूर्य	15/10/2026 22:25	चंद्र	13/11/2026 08:13	मंगल	25/01/2027 09:25
गुरु - चंद्र - गुरु		गुरु - चंद्र - शनि		गुरु - चंद्र - बुध		गुरु - चंद्र - केतु	
25/01/2027 09:25		31/03/2027 07:49		16/06/2027 10:25		24/08/2027 10:13	
31/03/2027 07:49		16/06/2027 10:25		24/08/2027 10:13		21/09/2027 20:01	
गुरु	03/02/2027 01:12	शनि	12/04/2027 12:50	बुध	26/06/2027 05:00	केतु	26/08/2027 02:00
शनि	13/02/2027 07:57	बुध	23/04/2027 11:00	केतु	30/06/2027 05:35	शुक्र	30/08/2027 19:38
बुध	22/02/2027 12:44	केतु	27/04/2027 22:57	शुक्र	11/07/2027 17:33	सूर्य	01/09/2027 05:43
केतु	26/02/2027 07:38	शुक्र	10/05/2027 19:23	सूर्य	15/07/2027 04:20	चंद्र	03/09/2027 14:32
शुक्र	09/03/2027 03:22	सूर्य	14/05/2027 15:55	चंद्र	20/07/2027 22:19	मंगल	05/09/2027 06:18
सूर्य	12/03/2027 09:17	चंद्र	21/05/2027 02:08	मंगल	24/07/2027 22:55	राहु	09/09/2027 12:34
चंद्र	17/03/2027 19:09	मंगल	25/05/2027 14:05	राहु	04/08/2027 07:17	गुरु	13/09/2027 07:29
मंगल	21/03/2027 14:04	राहु	06/06/2027 03:40	गुरु	13/08/2027 12:03	शनि	17/09/2027 19:26
राहु	31/03/2027 07:49	गुरु	16/06/2027 10:25	शनि	24/08/2027 10:13	बुध	21/09/2027 20:01

## अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्धेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।  
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।  
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

## अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।  
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्यमान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रूके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबंधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा। भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा। इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उत्तीर्ण होंगे तथा संबंधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।